

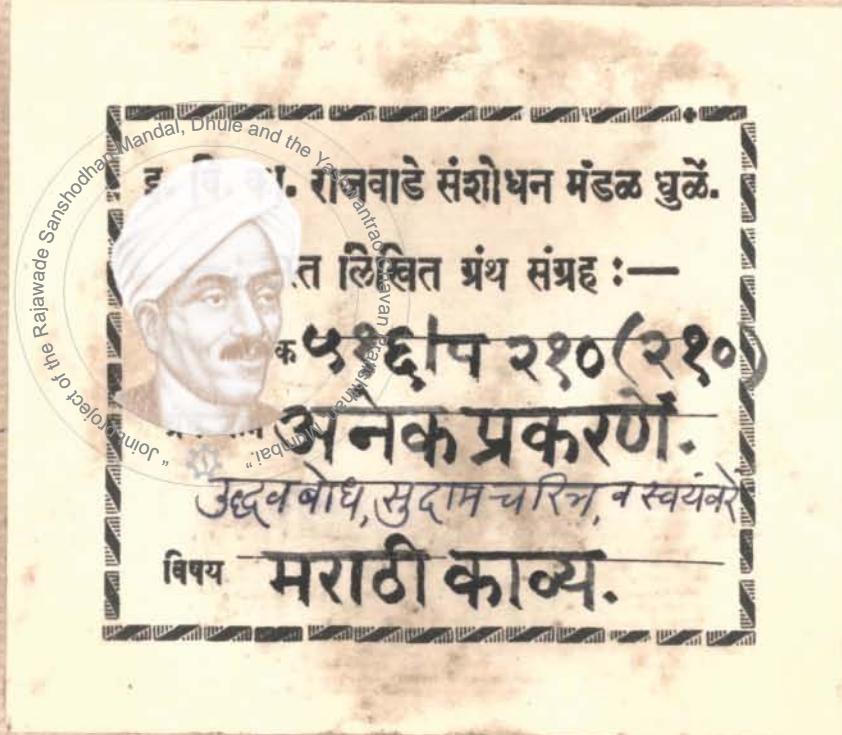
का०५

१३५९ व० अ. २१८ १८२२

मराठी

क्रमांक - २०
३

"कवि विप्लव विहळ कृता



॥५॥ अज्ञानीमजघडलेपापः जा
निलपापक्षः तु सांक्षांतसगवंतः वंहो
स्तरणमाधवाचे ॥३८॥ हपरमास्ताप
मिस्वरः तु मणविश्रामुजगंनीवासुः
मीकागतुहंशः तु जमजसरि क्री ॥३९॥
उद्धवातुमासा नीजसर्वाः काकरितो
स्तीस्ताका तु जपातो गेदेखाः तेमजप
(तिस्तागां द्वारु ॥) गमीतुसेवकुः ॥
तु वानधारवं
॥६॥ पणदेहैचे वेजज्ञानपम
ईसावधानः स्ता
त्येसेकथेवेमहीमानः जन्तुवापुसीलेम
जरा ॥४॥ उद्धवामीनीर्गुननीवीकिसः मजा
केचारेभाका ॥५॥ भक्तहृष्ण तीकैर्गा
भ्योहेयेद्वीकः हृष्णउनीसाकासमीच
रा ॥६॥ उद्धवापान्यावीनजैसाद्य
याचीछायापेडेखः तेसेज्ञाना
नमूरवः वै एषावसीनीजवस्तु ॥७॥



Join the Project of Sanskrit Mandal, Dhule and the Restaurant Chavni Pratishthan, Member, Mumbai.

उद्धवाप्रावानजै सीकुड़ी तहरि नार
॥ बापुड़ि तै सीभक्का वीन प्रासी गुड़ि कोनड
॥ पैउद्धवा ॥ ४२ ॥ उद्धवोद्वावीनडै सेहु उव
॥ स्मैं यावीनडै साजु पाळ उद्धवासेवेवी
॥ पूर्ठ कैचेरे उद्धवा ॥ ४३ ॥ उद्धवाम जैकेरे
॥ क्षान मजैचे धनु झा बाण कैजी जाण
॥ की कैचादा वण वणी धा वेभु लक्षा सठी
॥ ४४ ॥ कैचे खरप्रिया ग्राह कैचे मंडल मंडल
॥ ४५ ॥ कैचा बाल
॥ डीरे कैचे वृष्ट
॥ यद्यापा मन कैचे
॥ रवासु त्र परिलासह कृत्तकी वाह ॥ ४६ ॥
॥ उद्धवाभक्ती प्राज्ञी माता भक्त मासा
॥ पीता मंगमी परकं लुतलता प्रगत्ते
॥ तथे ॥ ४७ ॥ उद्धवाभा वेकरि प्रासी भक्ती
॥ तमज हो घेत्रु दी भावेवी नजे करि
॥ ४८ ॥ येक पंच
॥ भक्ती यस्ता तिसां गेन ॥ ४९ ॥ येक पंच
॥ गीसाधीति दो कुधु अमर्याण करि
॥ ति येक बाधा मुखतप करि ति दो



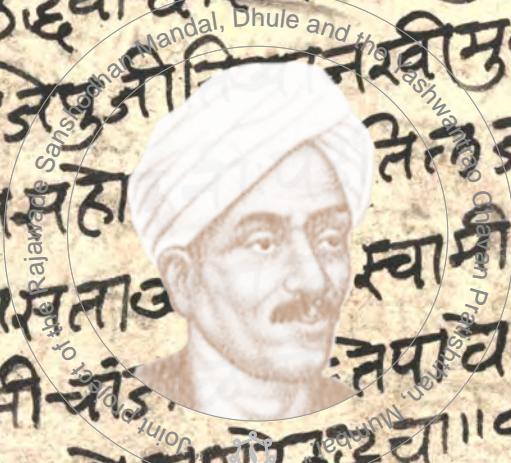
। नृसाधीं तिव्यत्कव
॥ गात्मीति दंडासनः येककृरितिउपास ॥
॥ नाः येकव्रंजचर्यसंघुणः कृदंडध ॥
॥ दियेता ॥ ८० ॥ येकज्ञातेदुधाधारिः ये
कज्ञातेजगधारिः येकज्ञातेप्रोन्यधा
॥ रिः द्वयुनी सीहासनी द्वैसतो ॥ ८१ ॥ ये ॥
॥ कस्यापीतिज्ञानः येकधरितिध्यान ॥
॥ गतिनामतिशावदातुनः परिभाव ॥
॥ चिनवेष्टिज्ञान
॥ आहंकृत्वा
॥ अेकीठीपुराण
॥ नीज्याह्नाज्ञा
॥ हुंहत्तेलेनाही ॥ ८२ ॥ उद्धवाभा ॥
॥ वज्यसतोषोठीः तरिकाहोत्तिउरफाठीः ॥
॥ भावव्यसतोषोठीः परब्रह्मरेतुद्धवा ॥ ८३ ॥
॥ उद्धवाभानीकनाहीसाधनः परिते ॥
॥ वेदीभावावीनः सावदेकमीत्तिज्ञ
॥ एः तेस्तेहेत्तुश्वनपेष्याचे ॥ ८४ ॥ ३ ॥
॥ रवाभा वेकरितामाझेभजनः तेण
॥ सत्तांश्वामाश्वमणः ॥

“कावावनसंपुणः मजनाकडे सवेष
। उद्धवासंवसारियेडनीः हरिनमणदो
। लेवचनीः व्यथवाहरिनामच्येकेस्त्रै।
॥१॥ श्रवनीः कुलत्ताप्राणीविशायासी॥
॥२॥ उद्धवह्लेण दीनानाथाः व्यपरा
॥ धक्षमाकरिव्याताः लगडीवणा॥
॥ केवीपावत्तिभक्तिपंथाः तेसंग॥
॥ मजत्तागी॥ २॥ ३॥ वासंवसार॥
॥ व्यतिटुनें
॥ एः तागवय
॥ तिसाधुयी॥
॥ परिसः जेथत्तानन्तयकरि सुवर्ण॥
॥ प्रकाङ्काः व्यानी दृष्ट्यावश्रवणमा॥
॥ नस्ते उद्धवाः॥ ५०॥ उद्धवाचंदनाचे॥
॥ जाडः यापरिमयव्यतिवाडः जवळा
॥ असत्तिजानी लगडे तेपरमवति॥
॥ चंदनासेवे॥ ६॥ उद्धवातैसीभाघ
॥ चीसंगतिः प्राणीपावताउत्तमग
॥ जरनत्तागेभक्तिपंथीः ताबा॥



Rajawade Sansodhan Mandal, Dhule and the Kashwantee Chaitan Prasadan, Mumbai

(लातज्ञोऽन्) ॥५३॥ उद्धवः
“धुर्येतिर्थः तेणोहयेदेहपवीत्रः क्रं
“कीमावेध्यातिबहुतः तेमज्जप्रीये
“होये” ॥५४॥ उद्धवाद्यरिष्यसतामाता
“प्रीताः ज्ञोज्ञायेआनखीतिर्थः मज्जा
“नपावतिसर्वथाः स्येज्ञाणरेउद्धवा
॥५५॥ उद्धवाद्यरिष्यसताकुलस्वामी
“ब्यानीडेउद्धवी नखीमुनीः लेखं
तेहुङ्गज्ञाण” ॥५६॥
“हंसराक्षरहा
“द्यरिष्यसताव
“नमानीचो
स्वामीः द्यसी॥
“द्योणीः स्येज्ञाणरेउद्धवा” ॥५७॥ उद्धवः
“वाधोरधर्मद्यवश्यमः नीद्येचात्मविनि
“जेनमः भक्तीमावेहोयेतीनः तेमज्जप्री
“येहेये” ॥५८॥ उद्धवापत्तिवच्छणड्या॥
“मातुतिः द्यावउद्धवानक्षान्मपावति
“जापविश्वापणभक्षीत्तिः स्येदे
“ताणरेउद्धवा” ॥५९॥ उद्धवाज्ञोआपु
“लीखीयसीः साज्ञानसं



Rajawade Sanskrit Mandal, Dhule and the
Dashwadi Sanskrit Prakashan, Mumbai

गारवस्यसाः तोजायनकोसा।
॥ योजाणरेत्तद्वा॥ ७०॥ उद्धवासंतद्या॥
॥ रियेतोदेवावेः यासीआहरेत्तुनके॥
॥ गावेः कोठीतिर्थ्यानकरावेः यास॥
॥ मानेरेत्तद्वा॥ ७१॥ उद्धवाजोसंता॥
॥ सीरिव्यशारणः याच्युकेजंनम्॥
॥ मरणः संवस्यारिनद्युद्येष्ठेः ह॥
॥ जाणरेत्तीद्या—... २५ उद्धवास्य॥
॥ धुनस्त्रणवा याच्यहद्दैमी
॥ त्रैलोक्याना यासीभजावे॥
॥ आपणः तोम् १ नरेत्तद्वा॥ ७२॥
॥ उद्धवायाच्यम् २६ नरण आनीदो॥
॥ घाच्येकच्चैतंन्यः याच्यमास्येक॥
॥ प्रणः मास्येयाच्यध्यानयेक॥ ७३॥
॥ उद्धवासुवर्णस्वागीकरिगोळः तेसा॥
॥ याच्यमास्योदेकमेळः तोप्रजनाही॥
॥ वेगळः सद्योज्ञाणरेत्तद्वा॥ ७४॥
॥ जोकरिसाधुचीन्तीदा तोमासाच्येमी
॥ रुखर्वदाः तोनकातुनन्तीगेवदाः॥

॥ कल्पांतिदशवूरेउद्धवा ॥ ७८ ॥ उद्ध ॥
॥ वाअखंडध्यायेप्रजः तोमासीमाये ॥
॥ सहजः सांडुनीआनखीकाजः ए ॥
॥ सीध्यातज्ज्ञेसेमी ॥ ७९ ॥ उद्धवा ॥
॥ अखंडध्यानमनासीः प्रजतोआ ॥
॥ वेउजीवासीः द्याकारेणमीवेगेसीः ॥
॥ धालीनमीउरुद्धवा ॥ ८० ॥ उद्धवा ॥
॥ जेह्वीसंभक्ति ॥ - पालापितिया ॥
॥ सीध्यामीति गस्सासरे ॥
॥ आवडतिः ते ॥ रत्नाका ॥ ८१ ॥
॥ द्यागीतिक्षेत्र ॥ अलीनीः प्रिति ॥
॥ उसालीमेहुनीः तोपावेनक्येणी ॥
॥ लयेजाणेरुद्धवा ॥ ८२ ॥ खाकरठेवि ॥
॥ लाग्रीयेसीः तोवैरलावीसदाखा ॥
॥ सीसीः तोपावेत्येणीसीः फक्षे ॥
॥ तकागविश ॥ ८३ ॥ बाळकव्या ॥
॥ लीजणनीः तोज्जायत्येसीग ॥
॥ कुनीः मावसीध्यावउद्ध ॥



॥ तो स्वान योणी पावे तळ ॥ ८२ ॥ जोधा
॥ नेहां की परस्त्री मीः यासी देखो न धा
॥ कपडे र बरवासीः दंड पापद्युतेनः ॥
॥ यासीः हल्लुनी द्या त्वागी भीत से ॥
॥ ८३ ॥ उद्धवा जो नेहां की परस्तं पति सीः
॥ यासी क्षय रोग लागतिः संवसारि ॥
॥ येत नी माति शुभ्री क्षार यातो जाण ॥
॥ ८४ ॥ न्याने पर क्रेके त्रैध्यानः ॥
॥ त्वाक संपति तो वेर्थक्षुमी ॥
॥ भारवा ज्ञेन नाणे र उद्धवा ॥ ८५ ॥
॥ उद्धवा पारा त्रैध्यी हुनः या
॥ चहरै करि न मी सुन्नः तो न पावक ॥
॥ दासज त्वागुणः अखं त्रैध्यान धना ॥
॥ पासी ॥ ८६ ॥ उद्धवा जो करि प्रासेधा
॥ नः याजे मी पर क्रेक्ष साधनः उद्ध
॥ वा जो प्राश्ये करि ध्यानः याच मी
॥ कदा पुडुन देनुने ॥ ८७ ॥ नीये जो



Joint Project of the
Sanskriti Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
Shri Suresh Mumbal

(54)

॥ व्यानीकनाहीसाधनः साज्जेसनीया ॥
॥ चेद्यानः योचेमीवर्खंड्यानः करि ॥
॥ तज्जेलरेउद्वा: ८० ॥ श्रीव्यसेघरा ॥
॥ श्रमनीः तिच्चेचीतपरपुक्त्रा त्वागुनीः ॥
॥ तहोयेवणीदीकुरंगणीः वर्खंडकी ॥
॥ डेसूगासी ८१ ॥ ज्ञेश्वीव्यसेघरा श्रमीः ॥
॥ तिच्चेचीतस्वापीच्याचरणीः श्रणउनी ॥
॥ लक्ष्मीचीतुपर— असेम्भितियसी ॥
॥ ८० ॥ उद्वाज्ञा राहे साधन ॥
॥ इयासीनकरके राचीकेसीहो ॥
॥ ८५ येअवंस्ता ॥ तेसागोवा ॥ ८६ ॥
॥ उद्वाज्ञे करेचीत्तेउनीः इयासीन ॥
॥ कलेज्यापलेमणः तेणेवृत्तकरावै ॥
॥ चीत्तेउनः सयेजाणेरेउद्वा ॥ ९१ ॥
॥ उद्वासंतावाचुनः कदानकेज्ञानः ॥
॥ तरिकाकरावेगुरुचेसेवणः वर्खंड ॥
॥ करावैमाज्जेघानः तेजोज्ञानहोइत्ता ॥
॥ ९२ ॥ उद्वाज्ञानीकनाहीसाधनः गु ॥



Portrait of the Rajawade Sanskrut Mandal, Dhule and the Rabwana Prati-Shikshan, Mumbai.

१७८॥

"रुचरुणाविनसयेजाणः त्तेजोहोये ॥
"संपुर्णज्ञानः सयेजाणरेत्तद्वा ॥१८॥
"हक्कणाव्येकोनजीवेः प्रणकंगठी ॥
"तेजावेः ल्लेणव्याग्नीपापकपीजाण ॥
"वेः तेवा तारित्तेद्वा ॥१९॥ (ल्लेणउद्द)
"वाव्येकी हेवाभक्तीकेत्ती नीकीः वि ॥
"इयेभक्तीस्याग्नित्ताः प्रीज्ञांधीत्तोभा ॥
"कीस्तवा ॥२०॥

त्ररुषीरुवीत्तः
वासीनाथाः
प्रीजनाथाच्या

"तुश्चीभक्तीवेः
"नाथाः नाश्चल्लेणाग्निकाचासयेजा
"णरे ॥२१॥ उद्दवासंताचाजोकरिदे ॥

"शः याचामीकरिननीवैशः येमत्तो
"कीघडेरहीवासः तातिभाधोगति ॥
"प्राणी ॥२२॥ इति श्रीउद्दवबोधप्रसं ॥

"गा० ॥१॥ पहित्ता ॥१॥ ०, ३ ० ० ० ०

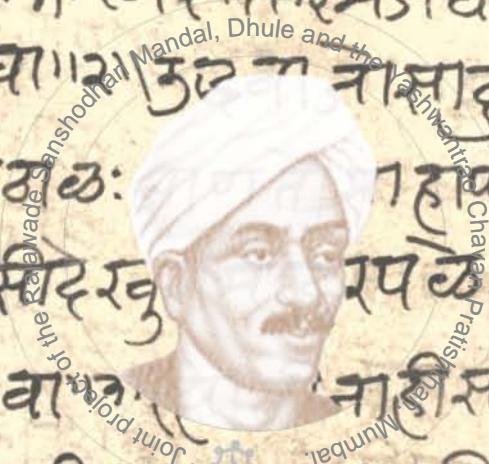


The Raibade Sanshodhak Mandal, Dhule and the Yashwantrao Ch嫌an Prashnithan, Mumbai

(6A)

"श्रीगणेशायेनम् ॥
"प्रसंगदुसरा ॥२॥

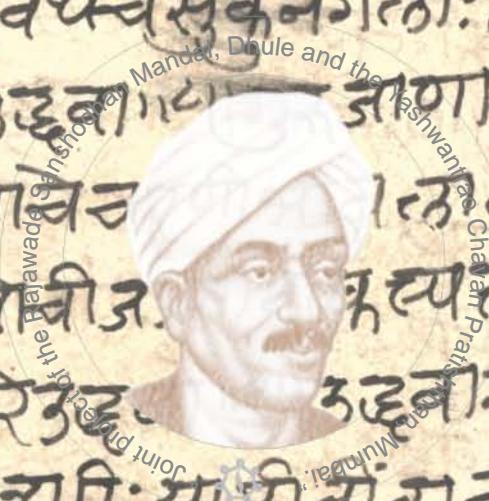
"श्रीरामचन्द्र" उद्घवामा शीघ्रमत्तीसीः ॥
"जेतने चीति तिभानसीः तयालागीकै ॥
सीः उत्पत्ति पावे ॥१॥ उद्घवा जो मजा ॥
सीकरि वेरः तेमी सोमी ननी रंतरः जो ॥
मत्ता सीकरि वेरः तरि मन्त्रधीर नधरा ॥
वे उद्घवा ॥२॥ उद्घवा नासादुसंताचा ॥
"धरिवीठाळः ॥ हापापीचंडा ॥
"वः यासीदरखु रपवः सयेजा ॥
"एरेउद्घवा ॥ नहीं सांधु संग ॥
"एसी नाही गुरु वचन मुक्तीः यासी ॥
"भाव भक्तीः याची गति कै सीरे उद्घवा ॥
॥३॥ श्री थीवरि डै सेपा शानः को गति ॥
"जो यासी यो वणः तेमा हापात कीजा ॥
एणः गभवा से रेउद्घवा ॥४॥ उद्घवा दिपा ॥
का विन डै से मंदीरः तैसा ही सेबवा ॥
॥ वाअंधकारः ॥



Balavade Bansodhan Mandal, Dhule and the
Festivals of the Chavadiya
Joint Project of the
University of Mumbai.

२) ॥१४॥

॥तैसासंवसारज्ञानाविनरेःउद्धवा॥५॥
॥उद्धवाकोऽनाविनज्ञउत्तेमानीकःतेजः॥
॥वदिसेअवघेष्यंधकःतैसिपरिदेवेः॥
॥गुरुवीनेरुद्धवा॥६॥उद्धवापान्यावी॥
॥नवागलावीत्ताःनाप्तुष्टापुम्भासीभा॥
॥त्ताःतोवैर्थ्यसुकनगेत्ताःतैसेगुरुः॥
॥विनरेउद्धवा॥७॥ ज्ञाणावातोई॥
॥श्रुःयाचर
॥धर्मिःतोचीउ.
॥समानरेउद्ध.
॥लत्तिकुरारिःयासीज्ञांकानाहुहसा॥
॥रिःकैसापावत्ता श्रीहरिःतैसेगुरुः॥
॥विनरेउद्धवा॥८॥उद्धवाआनीकडे॥
॥साधनःपरीतेगुरुवीनव्येर्थज्ञानःज्ञेषे॥
॥घैकीलेगुरुवच्यनःक्षणनिकुक्तवंतज्ञाला॥
॥देखवा॥९॥देवासीगुरुहोतानिधरिस्मीःमा॥
॥छुश्चगुरुनकरीजशीःतेजानावेपरुक्ती॥



वर्ती८

(A)

॥ नीदिरि: ससुजानोरे उध्वंवा: ॥१९२॥
॥ गुरवीएनाहीगती: आणी गुरुडेनक
॥ शिती: ते त्रुथ्वीवीरभासती: कल्पवरी।
॥ रे उध्वंवा: ॥१९३॥ उध्वंवा गुरुवच्यन।
॥ जे पाळतीः लक्ष्यो गांधीकलोडोड।
॥ तीः मजहुनि साच्चिद्धीककीती॥
॥ ससुजाने उद्धु
॥ याचासवाढ।
॥ टावीन राध।
॥ डैसाजानः डे
॥ कदानहेस।
॥ माधान। तेम् उपुकीन रे उद्धु॥
॥ वा ॥१९४॥ ज्यासीनाही गुरुवच्यन।
॥ प्रमाणः तोडानी डेमुख्यिशान॥
॥ याचेघरी घेउनयेअंनः घडेमा॥
॥ हारोशन रे उद्धुवा ॥१९५॥ ज्यालेना॥
॥ ही गुरुकेला देखः याचेपाहुनयेभु॥
॥ रवः देशवलयाणेप्राप्यात घडेदेख॥

Rajawade-Sanheshwar Mandal, Dhule and the Yashwantrao Phadnisnagar, Mumbai.

Joint Project of the

(8) १०५।

॥ सेवीतां दोरमाहला हे ॥ १७ ॥ उद्धव ॥

॥ अैसे गुरुवी छ : आजी माझे भरती ॥

॥ वीण : सलेते आवधे दैन्यवालो ॥

॥ तेणे हाज चुके गर्भवत्सु ॥ १८ ॥ न ॥

॥ उद्धव गुरुभरती वीनडौ प्राणी : या ॥

॥ सीवे थवाली डाणी : तो कांप्र ॥

॥ सउणी वा लीना ही : ॥ १९ ॥

॥ उद्धवाडे गुरीत : आजी ॥

॥ संत संगती री : आजी तो ॥

॥ मातो पीता करीता : तरी ॥

॥ यासी पाटविन निझपदा ॥ २० ॥

॥ अगाद ऊणे प्रवीष्टिष्य केले ॥

॥ यासि डेवी सापडले ॥ गर्भवासा ॥

॥ चुकले : तो पावेला हरीभडना ॥

॥ स्त्री ॥ २१ ॥ उद्धव माझे भरता चेलक्ष ॥

॥ न : ते प्री सागे न गासंपूर्ण ॥



Rajavade Ganshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Patil
"Join us to help build
the Indian Republic".

॥ भावेभ सी बसुनः ज्ञित देउ ॥
 ॥ नी परी सावे ॥ २२ ॥ उद्धवा मास्य ॥
 ॥ नावा सीः आ स्वं डती धैठ ने यापा ॥
 ॥ सीः काळ रा रण येती तयासीः ह ॥
 ॥ भक्ता सी आवडो ॥ २३ ॥ वं गवं ता ॥
 ॥ सी आवे दे सा यु यु मुक्तीः आनी ॥
 ॥ करीना भद्रे तेि सायोडे ॥
 ॥ ता साधी तीर्ति ॥ क यु सीना ॥
 ॥ वडे रे उद्धवा ॥ उद्धवा षय ॥
 ॥ सी आवे दे हराक्षा ॥ भत्तु आव ॥
 ॥ डती हरी भजता ॥ या सी नाम अा ॥
 ॥ वडे ली ता ॥ ते मज त्री ये रे उद्धवा ॥
 ॥ २५ ॥ उद्धवा या सी लागे भ्रेम गोडी ॥
 ॥ माझी याना मावी आवडी ॥ या अ ॥
 ॥ का यि मज गोडी ॥ स यजा ने रे उद्धवा ॥
 ॥ २६ ॥



Rajawade Janmehdan Mandal, Dhule and the Yeshwantrao Chavhan
 Trust, Mumbai

(9) १७८।

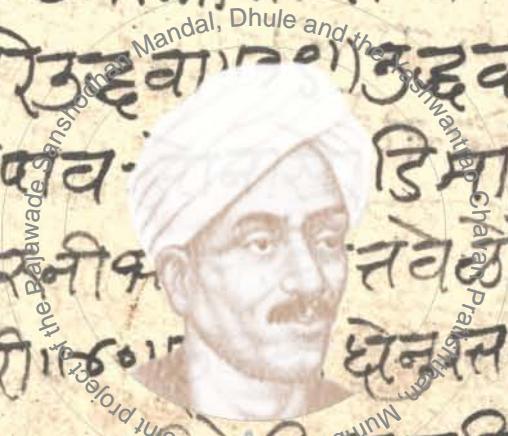
॥ उद्यनेगुरु नाही केला देखुः साचेपा ॥
॥ हुए ये मुखः देखली या प्राक्षीतधा ॥
॥ ते देखः सेवीता दोष माहाला गे ॥
॥ उद्धवा आवतार विमीडा जो गता ॥
॥ सदाद्दैति भाव वर्ततीः ते संत ॥
॥ वे तैलपावते नमी अल्प अ ॥
॥ से ॥ २८। उद्धवा धृष्टि परीष्ट ॥
॥ दीः अ आगी ती पूर्णः येक ॥
॥ नीढी नीलहू सीप ब्रंसन ॥
॥ सापडे ॥ २९। उद्धवा ते औ सम्मगा ॥
॥ वे संतः डंवरी नाही येक वीतः तं ॥
॥ वरी डा नावेष्ट्रांतः कष्टपने नुणे
गरे उद्धवा ॥ ३०। उद्धवा डोडां भीष्मा ॥
॥ नकडुं जीक भली करीतीः आणी ॥
॥ क नीडु नीआप श्रुतीः ते संत नक

Join Project of the
Bijawade Sanskrityan Mandel, Dhule and the
Sahayadri Chavhan
Patriarchate, Mumbai.

(१८)

॥ तीजा मध्ये संताची गतीः ते संत ॥
॥ ज्ञाणेरेउद्दवा ॥ ३१ ॥ काम को धोये ॥
॥ केरनी दीवणः आणी अपमान यागी ॥
॥ तायाणे व्यहुं कारयागी ता संपुठः ॥
॥ तो संत ज्ञाणेरेउद्दवा ॥ ३२ ॥ उद्दवा ॥
॥ आशामनसा वृत्ताः काम आनीक ॥
॥ व्यनाः तेलाहि लस्त्रा तेभक्तम् ॥
॥ उप्रीयेरेउद्द
॥ रास्त्री चैतन्यं ॥ संतज्ञाणावा ॥
॥ पुर्णः स्त्रियुत ॥ पाः स्त्रियज्ञाणेरे ॥
॥ उद्दवा ॥ कर्णा स्त्रियुति दया संपुर्णः क्षमा ॥
॥ उल्लेदे हवुद्दीलक्षणः तो ज्ञाणी जेशं ॥
॥ तत्भक्तः स्त्रेयेरेउद्दवा ॥ ३४ ॥ उद्दवा ॥
॥ परनारिपरधनः परनींदा इष्टपा ॥
॥ गः परनींदा होशानः हेन सोव्यमका ॥
॥ यजी ॥ ३५ ॥ उद्दवा ताकनी दिक्षिका ॥
॥ का सीः भक्तसुखमानीति प्रनासीः ॥

॥ वैरभावना ही सुसीः तेभक्तमज्जनी
 ॥ या ॥ ३७ ॥ उद्धवा द्यावे हृदये केवल
 ॥ बोलने बुहुमंजुरः हरिना प्रपणी नी
 ॥ मैलः हल ध्यण भक्ता च ॥ ३८ ॥ मेघ
 ॥ वशीति मेदनीः कीजु स्थवे केगगनी
 ॥ तवीनी जभक्ता ची वाणीः तो पञ्ज ॥
 ॥ आवडे रुद्धवा ॥ ३९ ॥ उद्धव कीटी ॥
 ॥ केले उषाव ॥ डिशा इयेनावः ॥
 ॥ दृढधरनी ॥ तवल्लो वल्लो
 ॥ मजवरी ॥ ४० ॥ घेन्नतना पा ॥
 ॥ सीक्षीरः द्यावी गा डिहाण तिचुदुरः ॥
 ॥ जवली अस तिगेती उः परितेजाणति
 ॥ जो दुि ॥ ४१ ॥ उद्धवा उसेभक्ती च नीर ॥
 ॥ तवे ग्रे मनी धारिः द्यासीना ही अंतर ॥
 ॥ स्येहाणे रुद्धवा ॥ ४२ ॥ उद्धवा अंत
 ॥ रीते चीबो हरिः सदैव मुखी श्री हरि दुजा
 ॥ ज्ञावना ही अंतरिः तो भक्तजाणे रुद्ध



Joint Project of the Bellawade Sanskrit Mandal, Dhule and the Keshwantee Chauhan Pratigrahaan, Mumbai

॥ वा ॥३॥ उद्धवावेदायेधरीत्वे संपु ॥
॥ र्भः प्रजभावी त्वेत्त्वेतन्यः सर्वत्र ॥
॥ इत्वेयकपण हृतनसे मनास्मी ॥४॥
॥ उद्धवाभक्तासीना हीभयः भक्तमास्ते ॥
॥ नीभयिः ये माचान चेतेत्पावः भा ॥
॥ कासीरष्टीता प्रीयेक ॥५॥ उद्धव ॥
॥ द्वोजवामाजीरहः सामीज्ञग्रीवे
॥ भयेकायः हे अवांडवोहु ॥६॥ उद्धवामी ॥
॥ तेकारुदरव ॥
॥ नरामवीभक्त ॥
॥ वाढेलकैर्सा गेपत्तकषीक ॥
॥ श्रीः भक्तीपंथबुडल ॥७॥ अदिक
॥ लक्ष्मीहनीपरिसः भक्तभावेम
॥ नासः भक्तापासीमाशारहीवासः ॥
॥ श्री भक्तरिमीवेगकानसे ॥८॥ भक्ता
॥ चेपडेब्रेमआषुः तोडैसावंदना ॥
॥ चावासुः लोमीघतो हालिउद्धासे ॥
॥ व्रेमरसभक्ताचा ॥९॥





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com